AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

गूगल व मेटा के साथ उपभोक्ता व्यवहार का होगा अध्ययन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि का प्रबंधन विभाग गूगल और मेटा जैसी दिग्गज कंपनियों के साथ मिलकर उपभोक्ता व्यवहार का अध्ययन करेगा। यहां निजी कंपनी के सहयोग से स्थापित भारत लैब के साथ ये कंपनियां जुड़ेंगी।

इस लैब के माध्यम से देश के टियर 2 और टियर 3 शहरों में उपभोक्ता व्यवहार का अध्ययन किया जाएगा। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लैब के माध्यम से उपभोक्ताओं की आकांक्षाओं व खपत पैटर्न के बारे में मूल्यवान डेटा, आंकड़े जमा किए जाएंगे। इसमें इन कंपनियों की विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाया जाएगा। गूगल से ऑनलाइन विज्ञापन, सर्च इंजन तकनीक, क्लाउड कंप्यूटिंग, ई-कॉमर्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स डेटाबेस का सहयोग मिलेगा। मेटा के प्रसिद्ध सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप आशाओं, इच्छाओं और प्रेरणाओं को समझने के लिए मूल्यवान स्रोत के रूप में कार्य करेंगे। लविवि कुलपति ने प्रो. आलोक कुमार राय ने भारत लैब की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद गूगल इंडिया के कंट्री हेड संजय गुप्ता और एमडी रिडिफ्यूजन संदीप गोयल से मुलाकात की।

लविवि के प्रबंधन विभाग में स्थापित होने वाली भारत लैब करेगी काम

गूगल इंडिया के कंट्री हेड संजय गुप्ता व एमडी रिडिफ्यूजन संदीप गोयल के साथ वीसी। -संवाद

स्नातक में दाखिले के आवेदन का सिर्फ चार दिन बचा मौका

लखनऊ विश्वविद्यालय में 15 जून है आवेदन की अंतिम तारीख

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन का अब सिर्फ अंतिम चार दिन मौका है। अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित की गई है। लविवि की केंद्रीकृत आवेदन प्रक्रिया में निर्धारित फीस का भुगतान करने वाले छात्रों को शामिल होंगे। इनके दाखिले भी इसी केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से होने हैं। विवि का नया शैक्षणिक सत्र जुलाई में शुरू होना है। ऐसे में आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ने की गुंजाइश न के बराबर है।

आवेदन प्रक्रिया के तहत बीए, बीएससी, बीकॉम, एलएलबी ऑनर्स, बीटीए, बीएलएड जैसे पाठ्यक्रमों में दाखिले होने हैं। दाखिले से पहले अभ्यर्थियों को लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर (लर्न) के तहत पंजीकरण कराना भी अनिवार्य है। इसके लिए सौ रुपये का शुल्क भी देना होगा। यह पंजीकरण लविवि के साथ ही सभी कॉलेजों में दाखिले से पहले कराना अनिवार्य है। दाखिले से पहले अभ्यर्थी को 50 केबी साइज की फोटो की स्कैन करनी, इसी आकार के हस्तलेख और आरक्षण प्रमाणपत्र की स्कैन कॉपी तैयार रखनी होगी। ऑनलाइन फीस जमा करने के बाद 72 घंटे के पहले दोबारा फीस न जमा करने की हिदायत भी लविवि प्रशासन ने दी है। आवेदन के बाद प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिले होंगे। प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को कार्डलेस मोबाइल के माध्यम से सीट आवंटन किया जाएगा।

लविवि के दाखिले न होने से कॉलेजों में नहीं हो रहे प्रवेशलविवि की प्रवेश प्रक्रिया में देरी होने का असर दिक्षी कॉलेजों के दाखिलों पर भी पड़ रहा है। हालत यह है कि ज्यादातर अनुत्तीर्ण महाविद्यालयों ने प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है, लेकिन अभी भी उनकी सीटें नहीं भर पा रही हैं। असल में हर साल विद्यार्थियों का एक बड़ा वर्ग पहले लविवि में दाखिले का प्रयास करता है। यहां असफलता मिलने पर ही वह महाविद्यालयों की ओर रुख करता है। अभी तक लविवि की प्रवेश प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। इसलिए कॉलेजों की प्रवेश प्रक्रिया भी धीमी है।

कॉलेजों के नाम अभी तय नहीं

लविवि प्रशासन का कहना है कि केंद्रीकृत माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होने पर अभ्यर्थियों पर आवेदन फीस का दोहरा भार नहीं पड़ेगा। विवि ने केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने के लिए शुरुआत तय कर रखा है। लविवि प्रशासन इस प्रक्रिया में सिर्फ उन कॉलेजों को शामिल करता है जो निर्धारित फीस का भुगतान करते हैं। अभी तक लविवि प्रशासन ने इन कॉलेजों के नाम पार्थक्यीकरण नहीं किए हैं। इसकी वजह से विद्यार्थियों में असमंजस की स्थिति है।

हेल्पलाइन पर करें संपर्क

किसी भी असुविधा पर छात्र हेल्पलाइन नंबर 0522-4150500 पर सुबह 10 बजे से शाम छह बजे के बीच संपर्क कर सकते हैं।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू की भारत लैब में मदद करेंगे गूगल-मेटा

- उपभोक्ता की जरूरतों को समझना होगा आसान
- साझेदारी से रिसर्च और इनोवेशन की राह खुलेगी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बनने वाली भारत लैब को अब गूगल और मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप की मातृ कंपनी) का सहयोग मिल गया है। जिससे अब इस लैब को वह सभी संसाधन आसानी से मिल सकेंगे जिससे लैब का कार्य करने में आसानी होगी।

एलयू के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में भारत लैब की स्थापना की जाएगी। इसके लिए तीन जून को कुलपति ने मुंबई में रिसर्च एजेंसी रिडिफ्यूजन के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया था। लैब में वर्कशॉप, रिसर्च प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप, फील्ड स्टडीज और अन्य तरह की गतिविधियां होंगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि भारत लैब की स्थापना उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को समझने और पूरा करने की ओर कदम है। गूगल और मेटा की साझेदारी से रिसर्च और इनोवेशन के लिए राह खुलेगी। गूगल इंडिया के कंट्री हेड संजय गुप्ता और रिडिफ्यूजन के एमडी संदीप गोयल ने मदद का भरोसा दिया।

i-NEXT PAGE 2

एलयू को मिला गूगल व मेटा का साथ

LUCKNOW (11 June): एलयू भारत लैब स्थापित करेगा. इसके लिए एलयू को गूगल व मेटा का साथ मिलेगा. एलयू का दावा है कि इससे टियर 2 व टियर 3 के शहरों में उपभोक्ता व्यवहार को समझने में मदद मिलेगी. एलयू के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस लैब में गूगल की सभी योजनाओं को शामिल किया जाएगा. ऑनलाइन विज्ञापन, सर्च इंजन तकनीक, क्लाउड कंप्यूटिंग, ई-कॉमर्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स डेटाबेस शामिल हैं. इसी तरह, मेटा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप भारत के प्रतिनिधि जेन जीवर्स की आशाओं, इच्छाओं और प्रेरणाओं को समझने और पूरा करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है. गूगल और मेटा की साझेदारी से रिसर्च और इनोवेशन के लिए राह खुलेगी। गूगल इंडिया के कंट्री हेड संजय गुप्ता और रीडीफ्यूजन के एम डी संदीप गोयल ने हमें हमारे लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करने का आश्वासन दिया है.

इस साल नहीं शुरू होगा बीएससी इन एग्रीकल्चर कोर्स

LUCKNOW (11 June): एलयू में शैक्षिक सत्र 2023-24 में बीएससी इन एग्रीकल्चर कोर्स शुरू करने की कवायद ठंडे बस्ते में जाती नजर आ रही है. एलयू ने कोर्स के लिए कैंपस को लेकर शासन से जमीन की मांग की है, जो अभी तक उन्हें मुहैया नही हो सकी है. वही एमबीए इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स भी सत्र से शुरू नही कर पा रहा है. एलयू के रजिस्ट्रार संजय मेघावी ने बताया कि एग्रीकल्चर कोर्स के लिए स्टूडेंट्स के लिए प्रैक्टिल लैब और फील्ड होनी चाहिए, जो हमारे पास पर्याप्त नही थी.

JAGRAN CITY PAGE III

वर्चुअल टूर से जानेंगे टैगोर लाइब्रेरी की कई खासियत

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक टैगोर लाइब्रेरी को पब्लिक लाइब्रेरी के रूप में विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। लोग वर्चुअल टूर के माध्यम से घर बैठे ही टैगोर लाइब्रेरी की खासियत से लेकर वहां पर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जान सकेंगे। इसके लिए म्यूजियम, पेंटिंग, पुरानी पांडुलिपियों से लेकर संग्रह आदि के शार्ट वीडियो बनाकर पोस्ट लिए जाएंगे ताकि लोग इसके प्रति आकर्षित हों।

टैगोर लाइब्रेरी के पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. डीआर साहू ने बताया कि टैगोर लाइब्रेरी ऐतिहासिक है। अभी तक सिर्फ विश्वविद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी ही इसकी सुविधा का लाभ उठाते हैं। इसे पब्लिक लाइब्रेरी बनाने की तैयारी शुरू हो गई है, अब आमजन भी आ सकेंगे।

एक ही जगह मिलेगा बेस्ट शोध पत्रों का कलेक्शन : उन्होंने बताया कि लाइब्रेरी में पुराने व वर्तमान शिक्षकों के बेस्ट शोध पत्रों का कलेक्शन एक साथ पढ़ने को मिलेगा। इसके लिए सभी शिक्षकों से उनके बेस्ट शोध का विवरण लिया जाएगा। इसके अलावा प्रो. राधा कमल मुखर्जी से लेकर अन्य प्रसिद्ध समाजशास्त्रियों, वर्तमान शिक्षकों की साहित्य, इतिहास, विज्ञान से जुड़ी दुर्लभ किताबों का संग्रह तैयार कर एक सेक्शन बनाया जाएगा ताकि लोगों को आसानी से पढ़ने को मिले। सभी विभागाध्यक्ष से कहा गया है कि पुरानी पुस्तकों के नाम बताएं। यदि कोई सूची हो तो दें, जो किताबें नहीं होंगी, उन्हें कहीं से मंगवाया जाएगा।

टैगोर लाइब्रेरी

राजभवन ने दी ब्रिटिश काल की पेंटिंग : राज भवन से कला एवं शिल्प महाविद्यालय के माध्यम से टैगोर लाइब्रेरी को ब्रिटिश काल की 24 पेंटिंग दी हैं। इन पेंटिंग को इंटेक संस्था के माध्यम से ठीक करा कर लाइब्रेरी में लगाया जाएगा।

किताबों के बारे में आनलाइन पूछ सकेंगे : लवि की वेबसाइट पर छात्रों के लिए साफ्टवेयर के माध्यम से ऐसी व्यवस्था की जाएगी, जिससे लोग अपनी जरूरत के हिसाब से जानकारी ले सकेंगे। वह अपना जो मैसेज भेजेंगे, लाइब्रेरी प्रशासन उसका जवाब देगा। विद्यार्थी अपने सुझाव व समस्या भी बता सकेंगे। लाइब्रेरी का विस्तृत डेटा भी वेबसाइट पर अपलोड होगा।

'किसी संस्कृति विशेष की भाषा नहीं रही अंग्रेजी'

जासं, लखनऊ : अंग्रेजी वर्तमान में किसी संस्कृति विशेष की भाषा नहीं रही। भारत में अंग्रेजी का स्वरूप एक भारतीय भाषा जैसा हो गया है। वैश्विक महामारी के समय इसकी शिक्षण पद्धति में काफी बदलाव हुआ है। भाषा वैज्ञानिकों और अंग्रेजी शिक्षण पद्धति के शोधार्थियों के लिए यह रोचक विषय है। यह विचार पीजीआरआइ सुरबाया विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी के प्रोफेसर आरपी सिंह ने रखे। वह आनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

"भाषा और भाषा शिक्षण पर ग्लोबल मोबिलिटी में अंग्रेजी शिक्षा विषय पर यह सम्मेलन आफलाइन व आनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, रूस, इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया सहित विभिन्न देशों के भाषाविदों ने प्रतिभाग किया। प्रोफेसर आरपी सिंह ने बताया कि विश्व व्यवस्था के वर्तमान भू-राजनीतिक स्वरूप ने वैश्वीकरण की अवधारणा को प्रसारित किया है। अंग्रेजी भाषा के शिक्षकों के लिए अंग्रेजी की शुद्धता और भाषाई स्तरों को बनाए रखने की चुनौती है।

अंग्रेजी की चुनौती स्वीकारने वालों के लिए खुला अवसरों का आकाश

लखनऊ। लविवि के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के प्रोफेसर डॉ. रवीन्द्र प्रताप सिंह रविवार को इंडोनेशिया के पीजीआरआई सुरबाया विश्वविद्यालय की ओर से भाषा और भाषा शिक्षण विषय पर आयोजित सेमिनार में विश्व के पांच प्रमुख भाषा विशेषज्ञों में से एक के रूप में शामिल हुए। आंनलाइन सेमिनार में उन्होंने कहा कि भारतीय प्रसंगों में हम इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकते हैं कि अंग्रेजी के भाषाई आधिपत्य ने अवसरों में असमानता पैदा की है। हालांकि, इस चुनौती को स्वीकारने वालों के लिए विकास का अनंत आकाश भी खुला है। प्रो. आरपी सिंह ने कहा कि अंग्रेजी वर्तमान समय में किसी संस्कृति विशेष की भाषा नहीं रही। भारत में तो अंग्रेजी का स्वरूप एक भारतीय भाषा जैसा हो हो गया है। वैश्विक महामारी के समय देश की शिक्षण पद्धति में आमूल चूल बदलाव हुआ है। भाषा वैज्ञानिकों व अंग्रेजी शिक्षण पद्धति के शोधार्थियों के लिए यह एक रोचक विषय है। अकादमिक विश्व, ज्ञान गतिशीलता, कॉर्पोरेट व्यवसाय, रचनात्मकता और मनोरंजन उद्योग में अंग्रेजी शिक्षा ने विभिन्न उप और सह-संस्कृतियां विकसित की हैं। सूचना-संचार प्रौद्योगिकी ने अंग्रेजी का लोकतंत्रीकरण किया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि शिक्षक ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दिया व्याख्यान

जोड़ों के दर्द में फायदेमंद है योगासन

लखनऊ। योग विशेषज्ञ डॉ. बृजेंद्र सिंह के अनुसार शरीर के जोड़ में दर्द और सूजन दूर करने के लिए यौगिक सूक्ष्म क्रिया तथा योगासन बेहद फायदेमंद है। इसके साथ ही जीवन शैली में सुधार और खाने पीने का विशेष ध्यान रखना चाहिए। वह रविवार को लविवि के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन में संधि विकारों में योग के द्वारा प्रबंधन विषय पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। इस मौके पर लविवि के योग संकाय के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि कमर दर्द के लिए अर्धचक्रासन, ताड़ासन, त्रियक ताड़ासन, त्रिकोणासन तथा गर्दन के दर्द के लिए ग्रीवा संचालन, कटी संचालन, कटिचक्रासन तथा अनुलोम विलोम, सूर्यभेदी प्राणायाम लाभकारी हैं। प्रशांत शर्मा ने बताया कि संधि विकारों में योगासनों का वैज्ञानिक प्रभाव तथा जोड़ों में होने वाले विकारों की बताया कलाई के लिए मणिबंध शक्ति विकासक क्रिया, कंधे के दर्द के लिए स्कंध शक्ति विकासक क्रिया, घुटने के दर्द के लिए घुटना संचालन का अभ्यास फायदेमंद है। इन मरीजों को एसिडिक भोजन नहीं करना चाहिए। फाइबरयुक्त भोजन लेना चाहिए तथा फास्ट फूड व अधिक वसा वाले भोजन से बचना चाहिए। (माई सिटी रिपोर्टर)

भारत में भारतीय भाषा जैसी ही हो गई अंग्रेजी

लखनऊ। मौजूदा वक्त में अंग्रेजी किसी संस्कृति विशेष की भाषा नहीं रही। भारत में तो अंग्रेजी का स्वरूप एक भारतीय भाषा जैसा ही हो गया है। वैश्विक महामारी के समय इसकी शिक्षण पद्धति में आमूल-चूल बदलाव हुआ है। यह बातें एलयू के अंग्रेजी विभाग के प्रो. आरपी सिंह ने कही। वह रविवार को एलयू में संधि विकारों में योग के द्वारा प्रबंधन पर एक दिवसीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। जिसका आयोजन 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर किया गया था। मुख्य वक्ता डॉ. बृजेंद्र प्रताप सिंह रहे।

'जोड़ों का दर्द दूर करने के लिए योग सबसे ज्यादा लाभकारी'

- रोगी को जीवन शैली में सुधार करना चाहिए, खाने-पीने पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की ओर से रविवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डा. बृजेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जोड़ में दर्द और सूजन दूर करने के लिए योगासन लाभकारी है। रोगी को जीवन शैली में सुधार करना चाहिए। खाने-पीने पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

फैकल्टी के कोआर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव ने बताया कि कमर दर्द दूर करने के लिए अर्धचक्रासन, ताड़ासन, त्रिचक ताड़ासन, त्रिकोणासन, गर्दन के दर्द से मुक्ति के लिए ग्रीवा संचालन, कटी संचालन, कटिचक्रासन, अनुलोम विलोम, सूर्यभेदी प्राणायाम लाभकारी हैं। योग विशेषज्ञ प्रशांत शर्मा ने बताया कि कलाई में दर्द हो तो मणिबंध शक्ति विकासक क्रिया, कंधे में दर्द हो तो स्कंध शक्ति विकासक क्रिया, घुटने में दर्द हो तो घुटना संचालन का अभ्यास लाभप्रद है।

कमर दर्द अर्धचक्रासन से दूर करें

लखनऊ। कमर दर्द के लिए अर्धचक्रासन, ताड़ासन, त्रिचक ताड़ासन, त्रिकोणासन करना चाहिए। जबकि गर्दन दर्द के लिए ग्रीवा संचालन, कटी संचालन, कटिचक्रासन लाभकारी है। यह बातें एलयू के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने कही। वह रविवार को एलयू में संधि विकारों में योग के द्वारा प्रबंधन पर एक दिवसीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। जिसका आयोजन 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर किया गया था। मुख्य वक्ता डॉ. बृजेंद्र प्रताप सिंह रहे।

भारत लैब के लिए गूगल व मेटा देगी सहयोग

- भारत के टियर टू- थ्री शहरों में उपभोक्ता व्यवहार पर होगा शोध
- यह साझेदारी अनुसंधान और नवाचार के लिए मार्ग करेगी प्रशस्त

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में भारत लैब स्थापित करने के लिए गूगल और फेसबुक की मातृ संस्था मेटा का भी सहयोग मिलेगा। इस समझौते के तहत भारत के टियर टू और थ्री शहरों में उपभोक्ता व्यवहार की समझ पर शोध होगा।

लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि भारत लैब की स्थापना उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को समझने और पूरा करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। गूगल और मेटा का भी समर्थन मिला है। यह साझेदारी महत्वपूर्ण अनुसंधान और नवाचार के लिए मार्ग प्रशस्त बनाने में सहायता करेगी। उन्होंने कहा कि गूगल इंडिया के कंट्री हेड संजय गुप्ता और रिडिफ्यूजन के एमडी संदीप गोयल ने लक्ष्य तक पहुंचाने में मदद करने का आश्वासन दिया है। भारत लैब का उद्देश्य कारपोरेट संगठनों को एक साथ लेकर उपभोक्ताओं की आकांक्षाओं के बारे में मूल्यवान डेटा और आंकड़े एकत्रित करना है। गूगल की विस्तृत योग्यताओं को शामिल करते हुए भारत की गहन समझ के लिए खोज की जाएगी। इसी तरह, मेटा के प्रसिद्ध सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और वाट्सएप "भारत" के प्रतिनिधि जेन जीवर्स की आशाओं, इच्छाओं और प्रेरणाओं को समझने के लिए मूल्यवान स्रोत के रूप में कार्य करेंगे।

तैयार होगा डेटा

डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि भारत लैब एक अनुसंधान, डेटा विश्लेषण और सहयोग के लिए एक केंद्र बनने की योजना बना रहा है, जो शिक्षा और उद्योग को स्थापित करने में सहायता करेगा। यह पहल विश्वविद्यालय की ज्ञान की अग्रणी भूमिका, समाज की ओर से विकसित हो रही जानकारी और उच्चतम प्रौद्योगिकी का उपयोग करके समाज की बदलती आवश्यकताओं का समाधान करने में मदद करेगी।

PIONEER PAGE 3

भारत लैब खोलेगा एलयू, मिला गूगल और मेटा का साथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने गूगल और मेटा के साथ सहयोग करके भारत लैब स्थापित करने की घोषणा की है। इसके लिए विवि ने गूगल और मेटा के साथ एक अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया है। यह अनुबंध लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों में उपभोक्ता व्यवहार की समझ के लिए प्रयासरत है, जिन्हें मिलकर भारत के नाम से जाना जाता है।

भारत लैब का उद्देश्य कॉर्पोरेट संगठनों को एक साथ लेकर, जिसमें गूगल और मेटा जैसी तकनीकी दिग्गज कम्पनी शामिल हैं, उपभोक्ताओं की आकांक्षाओं और खपत पैटर्न के बारे में मूल्यवान डेटा और आंकड़े इकट्ठा करना है। इस पहल के जरिए इन तकनीकी दिग्गजों की विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाकर उपभोक्ता अवधारणाओं के विभिन्न पहलुओं की जानकारी मिलेगी। अनुबंध के तहत गूगल की विस्तृत योग्यताओं को शामिल करते हुए, जिनमें ऑनलाइन विज्ञापन, सर्च इंजन तकनीक, क्लाउड कंप्यूटिंग, ई.कॉमर्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स डेटाबेस का सहयोग मिलेगा। मेटा के प्रसिद्ध सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप आशाओं, इच्छाओं और प्रेरणाओं को समझने के लिए मूल्यवान स्रोत के रूप में कार्य करेंगे। लविवि कुलपति ने प्रो. आलोक कुमार राय ने भारत लैब की स्थापना उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को समझने और पूरा करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। हम गूगल और मेटा को इस पहल में उनका समर्थन करने के लिए आभारी हैं, और हम यह विश्वास करते हैं कि यह साझेदारी महत्वपूर्ण अनुसंधान और नवाचार के लिए मार्ग प्रशस्त बनाने में सहायता करेगी। उन्होंने कहा कि गूगल इंडिया के कंट्री हेड संजय गुप्ता और रीडीफ्यूजन के एमडी संदीप गोयल ने हमें हमारे लक्ष्य तक पहुंचाने में मदद करने का आश्वास दिया है।

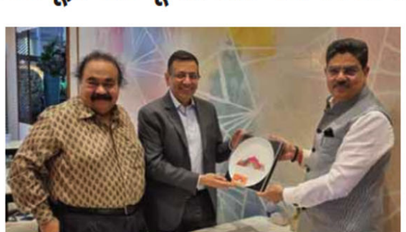

THE PIONEER PAGE 3

LU inks pact with Google, Meta to set up Bharat Lab

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University has announced a ground-breaking collaboration with Google and Meta (formerly Facebook) to establish The Bharat Lab. A memorandum of understanding (MoU) to this effect marks a significant milestone in the university's efforts to gain insights into the consumer behavior in tier-2 and tier-3 towns and cities across India.

The Bharat Lab aims to bring together corporate entities, including Google and Meta, to gather valuable data and statistics on the aspirations and consumption patterns of consumers. Leveraging the expertise and resources of these technology giants, the initiative will delve into various aspects of consumer insights.

"Google's vast repertoire encompassing online advertising, search engine technology, cloud computing, e-commerce, and consumer electronics databases will be explored to gain in-depth understanding and insights. Similarly, Meta's popular social media platforms such as Facebook, Instagram, and WhatsApp will serve as valuable sources for understanding the hopes, desires, and motivations of Gen Zers, Lucknow University spokesperson said. This unique collaboration between academia and corporate entities will provide extensive information on consumers, enabling the analysis and review of data to design and develop more effective and efficient products, services, and brand-building strategies. By bridging the gap between academia and industry, the 'Bharat Lab' aims to create a symbiotic relationship that benefits both the university and the corporate partners.

LU Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai expressed enthusiasm about the collaboration.

अंग्रेजी का स्वरूप भारतीय भाषा के जैसा

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

सम्मेलन

- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुई कार्यशाला में लविवि के प्रोफेसर ने दिया व्याख्यान
- भाषाई स्तरों को बनाए रखने की है चुनौती

अमृत विचार: अंग्रेजी वर्तमान समय में किसी संस्कृति विशेष की भाषा नहीं रही है बल्कि भारत में तो अंग्रेजी का स्वरूप यह एक भारतीय भाषा के जैसा ही हो गया है। वैश्विक महामारी के समय इसकी शिक्षण पद्धति में आमूल चूल बदलाव हुआ है,भाषा वैज्ञानिकों और अंग्रेजी शिक्षण पद्धति के शोधार्थियों के लिए यह एक रोचक विषय है। यह बातें पीजीआरआई सुरबाया विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया की ओर से आयोजित भाषा और भाषा शिक्षण पर 'ग्लोबल मोबिलिटी में अंग्रेजी शिक्षा' विषयक दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लखनऊ विश्वविद्यालय अंग्रेजी के प्रोफेसर आरपी सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में कही।

ऑफलाइन और ऑनलाइन मिश्रित माध्यम से आयोजित इस सम्मेलन में ऑस्ट्रेलिया ,सिंगापुर, रूस , इंडोनेशिया , थाईलैंड , मलेशिया सहित अलग-अलग देशों के भाषाविदों ने प्रतिभाग किया। प्रोफेसर आरपी सिंह ने अपनी कहा कि बताया कि विश्व व्यवस्था के वर्तमान भू-राजनीतिक स्वरुप ने वैश्वीकरण की अवधारणा को प्रसारित किया है जहां शब्द के पारंपरिक अर्थों में सांस्कृतिक ,शक्ति विभाजन, सामाजिक भाषाविज्ञान और राजनीतिक अर्थव्यवस्था की स्थितियां कहीं न कहीं अंग्रेजी शिक्षा के कमोडिटीकरण में परिणत हो रही है।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजी भाषा के शिक्षक के लिए जहां एक ओर अंग्रेजी की संरचनात्मक शुद्धता और भाषाई स्तरों को बनाए रखने की चुनौती है , वहीं दूसरी ओर, विभिन्न सांस्कृतिक विचलनों को भी सहेजना जरूरी हो जाता है। हम भारतीय प्रसंगों में हम इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकते हैं कि अंग्रेजी के भाषाई आधिपत्य ने अवसरों में असमानता पैदा किया है , लेकिन इसकी चुनौती को स्वीकारने वालों के लिए विकास का अनंत आकाश भी दिखा है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय को मिला गूगल और मेटा का साथ

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने गूगल और मेटा के साथ सहयोग करके 'भारत लैब' स्थापित करने की घोषणा की है। यह समझौता लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों में उपभोक्ता व्यवहार की समझ के लिए प्रयासरत है, जिन्हें मिलकर 'भारत' के नाम से जाना जाता है। 'भारत लैब' का उद्देश्य कॉर्पोरेट संगठनों को एक साथ लेकर, जिसमें गूगल और मेटा जैसी तकनीकी दिग्गज कम्पनी शामिल हैं, उपभोक्ताओं की आकांक्षाओं और खपत पैटर्न के बारे में मूल्यवान डेटा और आंकड़े इकट्ठा करना है।

इस पहल के जरिए, इन तकनीकी दिग्गजों की विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाकर, इस पहल के तहत उपभोक्ता अवधारणाओं के विभिन्न पहलुओं की जानकारी मिलेगी। गूगल की विस्तृत योग्यताओं को शामिल करते हुए, जिनमें ऑनलाइन विज्ञापन, सर्च इंजन तकनीक, क्लाउड कंप्यूटिंग, ई-कॉमर्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स डेटाबेस शामिल हैं, 'भारत' की गहन समझ और अंदरूनी तथ्यांकन के लिए खोज की जाएगी। इसी तरह, मेटा के प्रसिद्ध सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप 'भारत' के प्रतिनिधि जेन जीवर्स की आशाओं, इच्छाओं और प्रेरणाओं को समझने के लिए मूल्यवान स्रोत के रूप में कार्य करेंगे। वहीं गूगल इंडिया के कंट्री हेड संजय गुप्ता और रीडीफ्यूजन के एम डी संदीप गोयल ने भी सहयोग करना का पूरा आश्वासन दिया है।

एमओयू दिखाते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व अन्य। अमृत विचार

कॉर्पोरेट संगठनों का मिलेगा सहयोग, कुलपति ने साइन किया एमओयू

यह है प्रमुख उद्देश्य

इस एमओयू के बाद विश्वविद्यालय और कॉर्पोरेट संगठनों के बीच यह अद्वितीय सहयोग उपभोक्ताओं पर व्यापक जानकारी प्रदान करेगा, जिससे डेटा का विश्लेषण और समीक्षा करके और अधिक प्रभावी और कुशल उत्पादों, सेवाओं और ब्रांड-निर्माण रणनीतियों के डिज़ाइन और उन्हें विकसित करने में सहायता मिलेगी। लखनऊ विश्वविद्यालय और कॉर्पोरेट साथियों के बीच एक सम्मेलनशील संबंध बनाकर, "भारत लैब" का उद्देश्य एक प्रभावशाली मार्ग प्रशस्त करना और नवाचार की राह खोलना है।

"इस सहयोग के बारे में अपनी उत्साहपूर्ण भावना व्यक्त की है और कहा, 'भारत लैब' की स्थापना उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को समझने और पूरा करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। यह साझेदारी महत्वपूर्ण अनुसंधान और नवाचार के लिए मार्ग प्रशस्त बनाने में सहायता करेगी।

-प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालयप्रभारी बरेली

VoL PAGE 6

लविवि को मिला गूगल व मेटा का साथ

लखनऊ। लविवि ने गूगल और मेटा के साथ सहयोग करके भारत लैब स्थापित करने की घोषणा की है। यह समझौता लविवि के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों में उपभोक्ता व्यवहार की समझ के लिए प्रयासरत है, जिन्हें मिलकर 'भारत' के नाम से जाना जाता है।

भारत लैब का उद्देश्य कॉर्पोरेट संगठनों को एक साथ लेकर, जिसमें गूगल और मेटा जैसी तकनीकी दिग्गज कम्पनी शामिल हैं, उपभोक्ताओं की आकांक्षाओं और खपत पैटर्न के बारे में मूल्यवान डेटा और आंकड़े इकट्ठा करना है। इस पहल के जरिए, इन तकनीकी दिग्गजों की विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाकर, इस पहल के तहत उपभोक्ता अवधारणाओं के विभिन्न पहलुओं की जानकारी मिलेगी। गूगल की विस्तृत योग्यताओं को शामिल करते हुए, जिनमें ऑनलाइन विज्ञापन, सर्च इंजन तकनीक, क्लाउड कंप्यूटिंग, ई-कॉमर्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स डेटाबेस शामिल हैं, भारत की गहन समझ और अंदरूनी तथ्यांकन के लिए खोज की जाएगी। इसी तरह, मेटा के प्रसिद्ध सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप भारत के प्रतिनिधि जेन जीवर्स की आशाओं, इच्छाओं और प्रेरण